

राज्यपाल ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया

युवाओं में नवोन्मेष की भावना विकसित करने का प्रयास करना चाहिए-राज्यपाल

लखनऊ: 19 मई, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज गोमतीनगर स्थित होटल ताज में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पर्सनल मैनेजमेन्ट, उत्तर प्रदेश शाखा द्वारा 'मैनेजिंग मिलीनियल्स नीड आफ दि आवर' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री नरेश चन्द्रा, डा0 ममता श्रीवास्तव गुप डायरेक्टर सिटी गुप आफ कालेजज, डा0 राजन मेहरोत्रा निदेशक नोवार्टिस इण्डिया लिमिटेड सहित संस्थान के निदेशक श्री सुभाष चन्द्रा व अन्य गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश है। 2025 तक भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देश होगा। युवाओं को देश की पूंजी मानकर उनका सही उपयोग कैसे करना है, यह विचार का प्रश्न है। यदि युवाओं को सही मार्गदर्शन नहीं मिलेगा तो देश के लिये लाइबिलिटी भी बन सकते हैं। हमारे देश के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों का आकलन करके हमें युवाओं में नवोन्मेष की भावना विकसित करने का प्रयास करना चाहिए।

श्री नाईक ने प्रबन्धन के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधन का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए कार्यों में समन्वय करना, जिससे लक्ष्य की बेहतर प्राप्ति हो सके, यही प्रबन्धन है। सफल प्रबन्धन के लिये प्रभावी एवं क्षमतावान होना आवश्यक है। प्रबन्धन के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है ताकि देश के विकास के लिये युवाओं की क्षमता एवं प्रतिभा का लाभ उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से युवाओं को सक्षम बनाकर राष्ट्र निर्माण के लिये जोड़ने की आवश्यकता है।

डा0 राजन मेहरोत्रा निदेशक नोवार्टिस इण्डिया लिमिटेड ने कहा कि हर साल देश में एक करोड़ युवक श्रम के क्षेत्र में आता है। हमें अपनी शिक्षा पद्धति को अधिक रोजगारपरक बनाने की जरूरत है। आज का युग सकारात्मकता एवं रचनात्मकता का पक्षधर है। हमारे युवा शीघ्र निर्णय लेने वाली एवं परिणामपरख व्यवस्था चाहता है। हमें पीढ़ियों के बीच का अन्तर कम करते हुए अपनी कार्यशैली भी बदलनी होगी। उन्होंने कहा कि हमें इस यथार्थ को स्वीकार करते हुए युवाओं को आगे आने का अवसर प्रदान करना चाहिए।

कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष डा0 सुभाष चन्द्रा ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सुश्री अंकिता श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

-----

